हरिभूमि

सिरसा-फतेहाबाद भूमि

रोहतक, मंगलवार 14 अप्रैल 2026

11 आकर्षक वेशभूषा में बैसाखी का सांस्कृतिक महत्व किया प्रस्तुत

12 ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर 1580 किसानों ने किया आवेदन

खबर संक्षेप

शॉर्ट सर्किट से 22 एकड़ में खड़ी फसल जलीं

सिरसा। निकटवर्ती गांव पुरानी चामल में बिजली लाइन में शॉर्ट सर्किट के चलते बड़ा हादसा हो गया। इस आगजनी की घटना में लगभग 22 एकड़ फसल जलकर राख हो गई। आग लगते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और सूचना पर दमकल विभाग को दी। दमकल की तीन गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक किसानों को भारी नुकसान हो चुका था।

16 अप्रैल से शुरू होगा स्व-गणना अभियान

फतेहाबाद। सीटीएम एवं जनगणना कार्य के नोडल अधिकारी गौरव गुप्ता ने जिले के नागरिकों से 16 अप्रैल से प्रारंभ हो रहे स्व-गणना अभियान में बढ़-चढक़र भाग लेने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि यह अभियान देश की जनगणना प्रक्रिया को आधुनिक, पारदर्शी और अधिक सटीक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसमें हर नागरिक की भागीदारी बेहद जरूरी है।

विदेश भेजने के नाम पर ठगी, आरोपी दबोचा

फतेहाबाद। फतेहाबाद पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने विदेश भेजने के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान हरजिंदर सिंह निवासी सरदूलगढ़, मानसा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, गांव बलियाला निवासी हेमराज ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके बेटे को अल्बानिया भेजने के नाम पर उससे 5.39 लाख ठग लिए।

सुबह से मंडी गेट पर डटे किसान, 'साइट बंद' कहकर टाल रहे कर्मचारी

रतिया अनाज मंडी में सर्वर डाउन, गेट पास के लिए लगी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की लंबी कतारें

रतिया। मंडी में फसल लेकर पहुंचे ट्रैक्टर व सर्वर डाउन होने पर किसानों से बातचीत करते किसान नेता मनदीप नथवान।

बायोमेट्रिक सिस्टम को रद्द करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

रतिया की अनाज मंडी में गेहूं की आवक के बीच व्यवस्थाएं पूरी तरह चरमरा गई हैं। पोर्टल का सर्वर डाउन होने के कारण गेट पास जारी करने में हो रही अत्यधिक देरी ने किसानों के सब्र का बांध तोड़ दिया है। मंडी के मुख्य गेट से लेकर सड़कों तक ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की लंबी-लंबी कतारें लग गई हैं। मंडी पहुंचे किसानों ने बताया कि वे सुबह से ही अपनी फसल लेकर मंडी के बाहर डटे हैं। किसानों का आरोप है कि कर्मचारी केवल 'साइट बंद है' कहकर पल्ला झाड़ रहे हैं। घंटों बीत जाने के बाद भी न तो उन्हें गेट पास मिला है और न ही प्रशासन का कोई वरिष्ठ अधिकारी उनकी सुध लेने पहुंचा है। स्थिति का जायजा लेने पहुंचे पगड़ी संभाल जट्टा एवं किसान संघर्ष समिति के अध्यक्ष मनदीप नथवान ने सरकार की कार्यप्रणाली पर कड़े प्रहार किए। उन्होंने कहा कि यह पोर्टल और सर्वर की समस्या किसानों को मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान करने की एक सोची-समझी नीति है। नथवान ने फतेहाबाद के उपायुक्त से मांग की है कि बायोमेट्रिक सिस्टम को तुरंत प्रभाव से रद्द किया जाए।

गेहूं खरीद प्रक्रिया का जायजा लेने अतिरिक्त अनाज मंडी पहुंचे सांसद सुभाष बराला

टोहाना। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने अतिरिक्त अनाज मंडी, टोहाना का दौरा कर गेहूं खरीद प्रक्रिया का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मंडी में किसानों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का अवलोकन किया और खरीद कार्य को पारदर्शी एवं सुचारू तरीके से सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सांसद सुभाष बराला ने कहा कि अनाज मंडियों और खरीद केंद्रों पर किसानों के लिए मूलभूत सुविधाएं सही रूप से उपलब्ध करवाई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा लागू की गई नई व्यवस्थाएं जैसे फोटोग्राफी, किसानों की वेरिफिकेशन, ऑनलाइन पोर्टल और बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन वर्तमान में पूरी तरह से सुचारू रूप से चल रही हैं। पिछले एक-दो दिनों से मौसम भी साफ है, जिससे गेहूं खरीद प्रक्रिया और भी निर्बाध गति से चल रही है।

फतेहाबाद में भी किसानों का हंगामा

फतेहाबाद। शहर नई अनाज मंडी में सोमवार को गेंहू खरीद के दौरान उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई जब ई-खरीद पोर्टल में तकनीकी खराबी आने के कारण किसानों का बायोमीट्रिक सत्यापन बंद हो गया। अंगूठे के निशान मैच न होने से घंटों तक ट्रॉलिया मंडी के गेट पर ही फंसी रहीं, जिससे गुस्साए किसानों ने मंडी के मुख्य गेट के सामने सरकार और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसानों का कहना था कि भीषण गर्मी में वे घंटों से अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन पोर्टल की खामियों की सजा उन्हें मिल रही है। हंगामे को देखते हुए मार्केट कमेटी के अधिकारियों ने स्थिति को संभाला और उच्च अधिकारियों के निर्देश पर बिना बायोमीट्रिक ही ट्रॉलियों को मंडी के अंदर एंट्री देने का निर्णय लिया।

कालांवाली मंडी में भी सर्वर डाउन, किसान परेशान

कालांवाली। कालांवाली की अनाज मंडी व अतिरिक्त अनाज मंडी में गेहूं की आमद जोरों पर है। मौसम में बदलाव क चलते किसान जल्द से जल्द गेहूं की फसल काट कर मंडी में लेकर आ रहा है। परंतु यहां सरकार द्वारा मंडी पहुंच कर किसानों को बायोमेट्रिक प्रक्रिया के कारण तथा कई बार तकनीकी दिक्कतों के चलते उन्हें काफी इंतजार करना पड़ता है। कई बार सर्वर डाऊन होने व ई-खरीद पोर्टल की साईट बीच में बंद होने के कारण ज्यादा समस्या पेश आती है। जिससे किसानों को काफी समय गेट पर खडे होकर इंतजार करना पडता है।

भूना। अनाज मंडी में किसान और व्यापारियों से बातचीत उपायुक्त डॉ. विवेक भारती।

चेतावनी के बाद जागा प्रशासन

20 हजार क्विंटल गेंहू खरीद से किसानों का थमा गुस्सा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भूना

गोरखपुर अनाज खरीद केंद्र पर कई दिनों से गेहूं की खरीद बंद होने से नाराज किसानों द्वारा मंगलवार को रोड जाम करने की चेतावनी देने के बाद प्रशासन हरकत में आया। सोमवार को डीएफएससी खरीद एजेंसी ने पहले ही दिन करीब 20 हजार क्विंटल गेहूं की खरीद कर किसानों के गुस्से को काफी हद तक शांत कर दिया। इसके बाद किसानों ने प्रस्तावित रोड जाम कार्यक्रम रद्द कर दिया। डीसी डॉ. विवेक भारती और एडीसी अनुराग ढालिया ने संबंधित खरीद एजेंसी और मार्केट कमेटी अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई।

परेशान करने के आरोप

किसानों का आरोप था कि पिछले कई दिनों से केंद्र पर गेहूं की खरीद नहीं हो रही थी, जिससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। साथ ही मार्केट कमेटी के एक कर्मचारी रवि बिश्नोई पर अनावश्यक रूप से परेशान करने के भी आरोप लगाए गए। किसानों और व्यापारियों का कहना था कि नमी का हवाला देकर खरीद प्रक्रिया को रोका जा रहा था। इसके बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर किसानों की समस्याएं सुनीं और तुरंत प्रभाव से खरीद प्रक्रिया शुरू करवाई। मार्केट कमेटी सचिव ईश्वर सिंह ढाका ने बताया कि सोमवार को गोरखपुर में करीब 19,200 क्विंटल गेहूं की खरीद की गई है और आगे भी यह प्रक्रिया नियमित रूप से जारी रहेगी।

सांसद सुभाष बराला के मंडी से निकलते ही भड़के किसान; पोर्टल बंद होने पर टोहाना में लगाया जाम

फतेहाबाद। जिले में गेहूं की सरकारी खरीद के दौरान तकनीकी अव्यवस्थाओं ने किसानों के सब्र का बांध तोड़ दिया है। सोमवार को टोहाना की अनाज मंडी में उस वक्त स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब राज्यसभा सांसद सुभाष बराला के दौरे के ठीक बाद गेहूं खरीद का ऑनलाइन पोर्टल ठप हो गया। इससे नाराज किसानों ने रतिया रोड स्थित एडिशनल अनाज मंडी के पास टोहाना-फतेहाबाद मुख्य मार्ग पर जाम लगा दिया और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। दिलचस्प बात यह रही कि सोमवार को ही राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने टोहाना की एडिशनल अनाज मंडी का दौरा किया था। उन्होंने किसानों, मजदूरों और आढ़तियों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को खरीद प्रक्रिया सुचारू रखने के निर्देश दिए थे।

अग्निशमन कर्मचारियों ने हड़ताल तीन दिन और बढ़ाई

सिरसा। अग्निशमन कर्मचारी यूनियन ने मांगों को लेकर की जा रही हड़ताल को तीन दिन और बढ़ा दिया है। कर्मचारियों ने आंदोलन को और तेज करने की चेतावनी दी है। डबवाली रोड स्थित अग्निशमन कार्यालय के बाहर धरने को संबोधित करते हुए जिला प्रधान राजेश खिचड़ ने बताया कि फरीदाबाद में आग लगने के दौरान आग बुझाते समय दो दमकल कर्मियों की मौत हो गई थी। कर्मचारियों की मांग है कि मृतक कर्मचारियों के आश्रितों को एक-एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। उन्होंने कहा कि इन मांगों को लेकर कर्मचारी संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन सरकार हठधर्मिता पर अड़ी हुई है। इसके अलावा ठेका प्रथा, कौशल रोजगार निगम, पालिका रोल, डोर-टू-डोर और ऑपरेशन मेंटेनेंस जैसे सभी कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, न्यूनतम वेतन 30 हजार रुपये करने, समान काम के लिए समान वेतन लागू करने और पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की भी मांग उठाई। धरने में एसकेएस से महेंद्र शर्मा, रमेश सैनी सचिव, निर्मल सिंह, अजय पासी, फायर सिरसा से अशोक मेहला, सुधीर जांदू, बलराम जांदू, श्रवण कंबोज, रामनिवास सहित कई कर्मचारी मौजूद रहे।

पुलिस ने काटे 340 वाहनों के चालान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

सिरसा। ट्रैफिक इंचार्ज सुखदेव सिंह वाहनों के चालान काटते।

चौक-चौराहों पर जागरूकता अभियान भी चलाया

ट्रैफिक थाना पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाते हुए ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने वाले 340 वाहनों के चालान किए। थाना प्रभारी सुखदेव सिंह ने बताया कि अभियान के तहत ड्रंकन ड्राइविंग और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने वाले 97 चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसके अलावा बिना हेलमेट और तेज गति से दुपहिया वाहन चलाने वाले 119, ओवरस्पीड और गलत लेन बदलने वाले 61 तथा बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट वाले 63 वाहनों के चालान काटे गए।पुलिस द्वारा केवल चालान ही नहीं किए गए, बल्कि आमजन को जागरूक करने के लिए शिक्षण संस्थानों एवं प्रमुख चौक-चौराहों पर विशेष जागरूकता अभियान भी चलाया गया। लोगों को यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का उपयोग करने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करने के लिए प्रेरित किया गया।इसके अतिरिक्त बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्कूल बसों की विशेष जांच भी की गई।

आवारा पशुओं के नाम पर लुट रहा बजट, समाधान शून्य

कागजों में नसबंदी, सड़कों पर फौज : पशु नियंत्रण के नाम पर करोड़ों डकार रहे ठेकेदार

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

शहर में आवारा कुत्तों और बेसहारा पशुओं की समस्या कम होने के बजाय लगातार बढ़ती जा रही है। नगर परिषद हर साल टेंडर जारी कर समाधान का दावा करती है, लेकिन आंकड़े ही व्यवस्था की पोल खोल रहे हैं। पिछले साल तय लक्ष्य पूरे नहीं हो पाए, वहीं नए टेंडर में संख्या और खर्च दोनों बढ़ा दिए गए हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठने लगे हैं। नगर परिषद ने वर्ष 2024-25 में आवारा व हिंसक कुत्तों की नसबंदी के लिए 5600 का लक्ष्य तय किया था। इसके लिए एक साल का टेंडर जारी किया गया था, लेकिन पूरे साल में केवल 4105 कुत्तों की ही नसबंदी हो सकी। यानी करीब 1495 कुत्ते इस प्रक्रिया से बाहर रह गए। हैरानी की बात यह है कि अब नए टेंडर में शहर में केवल 2450 कुत्तों के घूमने का आंकड़ा दिखाया गया है। इस कार्य पर 26 लाख 95 हजार रुपये खर्च करने का प्रस्ताव है, यानी प्रति कुत्ता करीब 1100 रुपये खर्च किए जाएंगे। बेसहारा पशुओं के मामले में भी स्थिति अलग नहीं है। पिछले साल 805 पशुओं को पकडऩे का दावा किया गया था, लेकिन नए प्रस्ताव में 950 पशुओं के सडक़ों पर होने की बात कही गई है। इन्हें पकडऩे के लिए 11 लाख 40 हजार रुपये का बजट निर्धारित किया गया है, यानी प्रति पशु करीब 1200 रुपये खर्च होंगे। आंकड़ों में इस बढ़ोतरी से साफ है कि समस्या पर नियंत्रण नहीं हो पाया है। शहर में घूम रहे कई पशु वास्तव में पालतू बताए जा रहे हैं, जिन्हें मालिकों द्वारा सडक़ों पर छोड़ दिया जाता है। इसके बावजूद ऐसे लोगों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही। न ही नगर परिषद ने निगरानी के लिए कोई विशेष टीम बनाई है। वहीं, कुत्तों के हमलों के मामलों के बावजूद संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर वहां विशेष अभियान चलाने की दिशा में भी प्रयास नहीं दिख रहे। स्थिति यह बन गई है कि स्थायी समाधान के बजाय हर साल टेंडर जारी कर औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

कुत्तों की नसबंदी का गणित

लक्ष्य	: 5600 कुत्ते
नसबंदी हुई	: 4105
बाकी रह गए	: 1495
नए टेंडर में संख्या	: 2450
प्रस्तावित बजट	: 26.95 लाख
प्रति कुत्ता खर्च	: 1100

बेसहारा पशुओं के आंकड़े

पिछले साल पकड़े गए	: 805 पशु
नए टेंडर में अनुमान	: 950 पशु
प्रस्तावित बजट	: 11.40 लाख
प्रति पशु खर्च	: 1200
जमीनी स्थिति	: सड़कों पर अब भी बढ़ती संख्या

पिछले टेंडर का लक्ष्य अधूरा रहने और नए आंकड़ों में वृद्धि से यह सवाल उठ रहा है कि क्या केवल कागजी कार्रवाई के जरिए सरकारी धन खर्च किया जा रहा है। डीएमसी प्रवीन कुमार ने कहा कि टेंडर से जुड़ी फाइलें अभी उनके पास नहीं आई हैं। अधिकारियों के साथ बैठक कर पूरे मामले की समीक्षा की जाएगी और समस्या के समाधान के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

हरिभूमि
सहेली

रंगों-रेखाओं से खिलता है बचपन

स्पेशल : वर्ल्ड आर्ट-डे, 15 अप्रैल

अगर बच्चे रेखाओं के माध्यम से कोई आकृति बनाते हैं, उसमें रंग भरते हैं, मनमोहक चित्र सृजित करते हैं या कोई सुंदर-सा क्राफ्ट वर्क करते हैं तो उन्हें रोकें-टोकें नहीं, बच्चे को प्रोत्साहित करें। यह उनकी ऐसी अभिव्यक्ति है, जिससे बच्चों की रचनात्मकता तो बढ़ती ही है, उनका व्यक्तित्व भी निखरता-खिलता है।

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

बीते कुछ बरसों में बचपन के बहुत से रंग पढ़ाई के बोझ तले दबते जा रहे हैं। जबकि एकेडेमिक फ्रंट पर अच्छा परफॉर्म करने के साथ ही, बालमन के अहसासों की अभिव्यक्ति भी बहुत जरूरी है। समझना मुश्किल नहीं कि एक्सप्रेसिव होने के लिए कोई न कोई माध्यम चाहिए। आर्ट एंड क्राफ्ट बच्चों के मनोरंजन, मनोभावों के एक्सप्रेशन का एक अच्छा माध्यम है, साथ ही यह बच्चों को वर्चुअल दुनिया से दूर करके उन्हें रचनात्मक बनाकर सकारात्मक तरीके से व्यस्त रखने का एक सुंदर तरीका है। इसीलिए उम्र के एक पड़ाव पर बच्चों का सहज रूप से कोई ना कोई कलात्मक एक्टिविटीज करना जरूरी है। पैरेंट्स को भी बच्चों को आर्ट की दुनिया से जोड़कर रखने का प्रयास करना चाहिए। इससे बच्चे का व्यक्तित्व संवरता और निखरता है।

कला से अभिव्यक्त होते एहसास

रंग, रेखाएं, आकार, कोई खास स्टाइल, बालमन में बसी कोई बनावट, ये सब मात्र कागज पर रंगीन कलम-पेंसिल से की गई कलात्मकता भर नहीं हैं। असल में देखा जाए तो यह बच्चों के मन की शब्दावली है। उनके भावों की अभिव्यक्ति है। बच्चों द्वारा उकेरी गई कोई भी कलाकृति उनके दुनिया को देखने के नजरिए को दर्शाती है। जिन भावनाओं और कल्पनाओं को शब्द नहीं दिए जा सकते, आर्ट एंड क्राफ्ट के जरिए बच्चे उन्हें रचनात्मक ढंग से एक्स्प्रेस कर सकते हैं। इससे बच्चे को कुछ नया भी एक्सप्लोर करने का अवसर मिलता है। अपनी सोच के मुताबिक वे कुछ विशेष रचते हैं। बच्चे लीक से हटकर सोचने और उसे धरातल पर उतारने की सोच से जुड़ते हैं। उनके मोटर स्किल्स निखरते हैं। यही वजह है कि आर्ट के माध्यम से अभिव्यक्त होते एहसास केवल मासूमियत के रंग भर नहीं होते, ये रंग और रेखाएं बच्चों की सोच-समझ को दिशा भी देते हैं।

बच्चों की मन:स्थिति को समझें

अच्छे स्वास्थ्य और सकारात्मक व्यस्तता के लिए बहुत आवश्यक है कि बच्चे कुछ समय रंगों और रेखाओं की दुनिया में भी बिताएं। विशेषज्ञ मानते हैं कि पेंटिंग-ड्राइंग बच्चों के लिए अपनी खुशी, भय, गुस्से या किसी तरह की शिकायत को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने का माध्यम भी होते हैं। बच्चों की कलाकारी के मासूम रंग कई बार उनकी बिखरती मन:स्थिति से भी मिलवाते हैं। कुछ समय पहले नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स द्वारा यौन हिंसा के शिकार बच्चों का पता लगाने के लिए एक नई पहल भी यही बात कहती है। बाल आयोग के मुताबिक बच्चों के सेक्सुअल हेरेसमेंट का पता लगाने के लिए आर्ट सबसे बेहतरीन माध्यम है। ड्राइंग या पेंटिंग के जरिए न केवल बच्चे खुलकर अपनी बात कह पाते हैं बल्कि उनके दर्द को समझा भी जा सकता है। आमतौर पर शोषण के शिकार बच्चे अपनी बात कहने में डरते हैं। किसी के आगे अपना मन नहीं खोलते। यही वजह है कि आयोग द्वारा 'असेसमेंट ऑफ चाइल्ड सेक्सुअल वॉयलेंस विथ द हेल्प ऑफ ड्राइंग' के लिए ड्राफ्ट रिपोर्ट भी जारी की गई। इस रिपोर्ट को एम्स के डिपार्टमेंट ऑफ साइकिएट्री की मदद से बनाया गया है, रिपोर्ट में कहा गया है कि ड्राइंग, बच्चों से बातचीत शुरू करने का सही माध्यम है। जरूरी है पैरेंट्स भी बच्चों की कलात्मकता में छिपे मनोभावों को समझें। यह उनकी सुरक्षा से जुड़ा पहलू तो है ही, उनके मन को समझने का एक प्यारा-सा जरिया भी है।

बच्चे की रुचि-रुझान को जानें-समझें

पैरेंट्स को इस क्षेत्र में अपने बच्चों के रुचि-रुझान को गंभीरता से देखने-समझने का भी प्रयास करना चाहिए। सचमुच दिलचस्पी हो तो बचपन में भावों की अभिव्यक्ति का माध्यम बनी आर्ट, आगे चलकर बच्चे को आर्ट की दुनिया में अपना भविष्य बनाने की राह बना सकते हैं। इसीलिए बच्चों के आर्ट-क्राफ्ट से जुड़े कामों की प्रशंसा अवश्य करें। स्केचिंग, पेंटिंग, स्कल्प्चर मेकिंग या क्ले, ये सब जब बच्चे मन से करें तो उनकी रुचि को देखते हुए इससे जुड़े सामान लाकर देकर उन्हें प्रोत्साहित करें। अपने परिवार में उनकी रुचि की चर्चा कर प्रेरणादायी परिवेश बनाएं। बचपन की रंगीन यादों को सहेजने के लिए उनके बनाए आर्ट वर्क को फ्रेम करवाकर घर में लगाएं। बच्चों के कमरे की सजावट के लिए उनके ही बनाए चित्र लगाना भी एक अच्छी पहल होगी। जरूरी यह भी है कि पैरेंट्स उनके क्रिएटिव एक्सप्रेशन की उपेक्षा करने के बजाय, इससे जुड़ी जानकारियां उनसे साझा करें। आज की वर्चुअल व्यस्तता में बच्चों को आर्ट एग्जीबिशन में ले जाने जैसी एक्टिविटी बच्चों की रुचि को समझने में हेल्प करेगी। साथ ही पार्क, चिड़ियाघर, प्राकृतिक स्थल और म्यूजियम जैसी जगहों पर भी बच्चे बहुत मन से चीजें देखते हैं। ज्यादातर बच्चे जानवरों और मौसम के रंगों को देखते हैं। इन्हें वे अपनी आर्ट में ढालने में भी रुचि लेते हैं।

तारीफ करना भी एक कला है

अगर कोई अच्छा काम कर रहा है तो उसकी तारीफ हमें जरूर करनी चाहिए, इसका इंसान पर बहुत ही सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। लेकिन यह तभी संभव है, जब हम तारीफ सही ढंग से करेंगे। तारीफ कैसे की जाए, इसके क्या फायदे हैं, जानिए।

सलीका

शिखर चंद जैन

तारीफ करना वैसे तो एक सामान्य-सी आदत है, लेकिन इसका सही समय पर ढंग से इस्तेमाल किया जाए तो यह सामने वाले का आत्मविश्वास बढ़ा सकती है, रिश्ते मजबूत कर सकती है। इतना ही नहीं तारीफ वर्किंग प्लेस की प्रोडक्टिविटी में भी इजाफा कर सकती है। डेल कार्नेगी से लेकर रॉबर्ट सियाल्डिनी जैसे दिग्गजों ने अपनी बेस्टसेलर किताबों में तारीफ को रिश्ते मजबूत करने का सबसे कारगर तरीका बताया है। लेकिन इसमें बनावट, व्यंग्य या चापलूसी दिखाई दे तो इसका असर उल्टा भी हो सकता है। इसलिए तारीफ करना एक कला ही नहीं, मनोविज्ञान भी है।

तारीफ का मनोवैज्ञानिक प्रभाव: तारीफ इंसानी स्वभाव से जुड़ी एक बुनियादी जरूरत को पूरा करती है। यह जेनुइन रिकगनिशन यानी ईमानदार मान्यता है। इस पर पारस्परिकता का नियम यानी लॉ ऑफ रेसीप्रोसिटी भी लागू होता है। सोशल साइकोलॉजिस्ट रॉबर्ट सियाल्डिनी के अनुसार, 'जब आप किसी की तारीफ करते हैं, तो वह मनोवैज्ञानिक रूप से आपका साथ देने या आपको पसंद करने के लिए बाध्य महसूस करता है। तारीफ केवल शब्द नहीं है, सामने वाले के अस्तित्व को दी गई एक मान्यता है। हर इंसान को तारीफ की जरूरत होती है। अब्राहम मेस्लो का 'हायरार्की ऑफ नीड्स' सिद्धांत कहता है कि जब किसी को ईमानदारी से सराहा जाता है तो उसके अंदर 'सेल्फ-वैल्यू' की भावना उत्पन्न होती है, जो मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और प्रेरणा के लिए आवश्यक है। यहां यह भी बताना जरूरी है कि अगर आप किसी की तारीफ कर रही हैं या तारीफ करना चाहती हैं तो इसके कुछ वैज्ञानिक और व्यावहारिक पहलुओं को अवश्य ध्यान में रखें।

स्पेसिफिक तारीफ करें: किसी की तारीफ जनरेलाइज के बजाय स्पेसिफिक रहकर करें। 'आप अच्छा काम करते हैं' के बजाय इस तरह से कहकर तारीफ करें 'आपने रिपोर्ट में जो डेटा विजुअल्स डाले, वे वास्तव में बेहद असरदार थे।' ऐसा कहने का ज्यादा प्रभाव होगा।

प्रयासों की सराहना करें: माइंडसेट पुस्तक के लेखक कैरल ड्वेक के अनुसार, 'किसी की बुद्धि के बजाय उसके कठिन परिश्रम की तारीफ करने से वह आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होता है।'

सही मौके पर करें तारीफ: तारीफ का प्रभाव तब ज्यादा होता है, जब वह किसी कार्य या घटना के तुरंत बाद की जाती है। देरी से की गई तारीफ का प्रभाव कम हो जाता है, भले ही वह कितनी भी ईमानदारी से क्यों न की गई हो।

पीठ पीछे भी करें तारीफ: जब आप किसी की अनुपस्थिति में उसकी सराहना करती हैं, तो जब वह बात उस तक पहुंचती है, उसका मूल्य दोगुना हो जाता है। इसके लिए आपको ऐसे लोगों के बीच तारीफ करनी होगी, जो उसके संपर्क में रहते हैं।

बॉडी लैंग्वेज का रखें ध्यान: तारीफ में बॉडी लैंग्वेज काफी महत्वपूर्ण होती है। आंखों में देखना, मुस्कुराना और सौम्य स्वर में प्रशंसा करने से सामने वाले को वास्तविकता का बोध होता है। यह तारीफ को प्रभावशाली बनाता है।

पब्लिक में प्रशंसा: सबके सामने की गई तारीफ व्यक्ति के सामाजिक सम्मान को बढ़ाती है, उसे आपके प्रति वफादार बनाती है।

तारीफ करने-सुनने के फायदे

प्रोडक्टिविटी में इजाफा: गैलप के एक सर्वे के मुताबिक जिन कर्मचारियों को नियमित प्रशंसा मिलती है, वे 21 फीसदी अधिक प्रोडक्टिव होते हैं। वहीं हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू के अध्ययन के अनुसार सराहना पाने वाले कर्मचारियों में क्रिएटिविटी, टीमवर्क और एंप्लॉई सेटिस्फेक्शन का स्तर अधिक पाया गया।

तनाव-अवसाद में कमी: यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिलवेनिया की एक स्टडी में पाया गया कि प्रशंसा से एंग्जायटी और डिप्रेशन के स्तर में कमी आती है।

रिश्तों में मिलती है मजबूती: इंटरनेशनल सोशल साइंस जर्नल में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार तारीफ से पारिवारिक और सामाजिक रिश्तों में भरोसा और अपनापन बढ़ता है। जॉन गॉटमैन इंस्टीट्यूट की स्टडी कहती है कि ईमानदार प्रशंसा एक मजबूत भावनात्मक बैंक बैलेंस बनाने में मदद करती है, जिससे टकराव के समय भी रिश्तों में मजबूती बनी रहती है।

डोपामाइन का संचार: जब हमारी तारीफ होती है, तो मस्तिष्क में 'डोपामाइन' नामक हार्मोन रिलीज होता है, जो हमें खुशी और संतुष्टि का अहसास कराता है। यह वही रिवॉर्ड सिस्टम है, जो खुशी प्रदान करती है।

बैसाखी एक ऐसा सांस्कृतिक पर्व है, जिसे पूरे देश में अलग-अलग नामों और परंपराओं के साथ मनाया जाता है। कहीं इस पर्व को नववर्ष के रूप में मनाते हैं तो कहीं फसल तैयार होने के उल्लास के रूप में। यह पर्व हमें अपनी परंपराओं, धार्मिक आस्था और संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश भी देता है।

सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बैसाखी का पर्व

सांस्कृतिक पर्व

आर. सी. शर्मा

भारतीय समाज की संरचना जितनी मिश्रित है, उतनी ही खूबसूरत भी है। यहां धर्म, संस्कृति, भाषा और जीवनशैली की विविधताएं मिलकर एक अद्भुत ताना-बाना रचती हैं और इसी ताने-बाने को मजबूती देने में त्योहारों की इंद्रधनुषी भूमिका होती है। बैसाखी का पर्व मुख्य तौर पर सिख धर्म से जुड़ा है। 13 अप्रैल 1699 को इसी बैसाखी के दिन ही खालसा पंथ की स्थापना गुरु गोविंद सिंह द्वारा की गई थी। इसलिए यह दिन सिखों के लिए बहुत महत्वपूर्ण और आत्म-गौरव का प्रतीक पर्व माना जाता है। इसे कई अन्य प्रदेशों में भी मनाया जाता है।

कई रूपों में मनाते हैं पर्व: बैसाखी के अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग धार्मिक और सांस्कृतिक रूपों में नववर्ष का उल्लास देखने को मिलता है। इसी दिन पश्चिम बंगाल में पोइला बोइशाख यानी बंगाली नववर्ष भी मनाते हैं। इस दिन वहां सांस्कृतिक जुलूस, गीत, संगीत के आयोजन होते हैं। पारंपरिक नए परिधानों में सजे लोग पोइला बोइशाख धूमधाम से मनाते हैं। बंगाल में यह दिन व्यापारियों के लिए नया खाता खोलने का दिन भी माना जाता है। केरल और असम में भी क्रमशः विशु और बोहाग बिहू जैसे रंग-बिरंगे त्योहारों की छटा इसी अवसर पर बिखरती है। केरल में विशु पर्व, समृद्धि और नए आरंभ का प्रतीक माना जाता है। बोहाग बिहू, असम का सबसे बड़ा पर्व खेती और नववर्ष दोनों का साझा उत्सव होता है, जिसमें लोकगीत और लोकनृत्यों की धूम होती है। बैसाखी के दिन जहां पंजाब, हरियाणा और समूचे उत्तर भारत में गुरुद्वारों में कीर्तन, लंगर का आयोजन होता है, वहीं तमिलनाडु में इस दिन पुथांडु यानी तमिल नववर्ष मनाया जाता है। इस तरह यह पर्व पूरे देश में विभिन्न रूपों में मनाते हैं।

असम में मनाते हैं बोहाग बिहू

सिखों के लिए विशेष महत्व: निःसंदेह त्योहारों की इस इंद्रधनुषी छटा में बैसाखी का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व विशेष रूप से उल्लेखनीय है। खालसा पंथ की स्थापना से जुड़ी ऐतिहासिक घटना, सिर्फ धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि भारत की सामाजिक क्रांति का प्रतीक भी है। खालसा पंथ की स्थापना ने सिख समुदाय को एक नई और विशिष्ट पहचान दी। खालसा पंथ की स्थापना ने दरअसल, सिख समुदाय को एक नई पहचान, अनुशासन और साहस का प्रदान किया जाना था। इस दिन देशभर के गुरुद्वारों में विशेष शबद, कीर्तन और प्रभात फेरियां आयोजित होती हैं। इस दिन भव्य लंगर का भी आयोजन होता है।

किसानों के उल्लास का प्रतीक: भले ही बैसाखी के पर्व को अलग-अलग रूपों में देश भर में मनाया जाता है। लेकिन कहीं न कहीं ये सारे नववर्षीय पर्व भारत की कृषि प्रधानता को भी रेखांकित करते हैं। उत्तर भारत में यह रबी की फसल की कटाई का समय होता है। किसानों के लिए केवल फसल काटने के लिए ही नहीं बल्कि मेहनत का फल मिलने का भी क्षण होता है। इस तरह बैसाखी किसानों की इस खुशी का उल्लास बन जाती है।

आपसी जुड़ाव का पर्व: पंजाब और हरियाणा में बैसाखी के अवसर पर खेतों में भांगड़ा और गिद्दा जैसे लोकनृत्य किए जाते हैं। यह केवल मनोरंजन नहीं बल्कि ईश्वर के प्रति सम्मान और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक भी होता है। बैसाखी भारतीय समाज की विविधता में एकता का प्रतीक पर्व है।

स्किन केयर

नैंसी गुप्ता

स्किन टैनिंग से होगा बचाव अपनाएं ये सरल-कारगर उपाय

गर्मी का मौसम आते ही दिन के समय बाहर निकलने पर तेज धूप और यूवी किरणें हमारी त्वचा पर असर डालने लगती हैं। इन दिनों स्किन टैन होना एक आम समस्या बन जाती है, जिससे त्वचा का रंग अनईवन या डार्क नजर आने लगता है। इनसे बचने के लिए लोग ब्यूटी प्रोडक्ट्स का सहारा लेते हैं। लेकिन आप चाहें तो कुछ सरल प्राकृतिक उपायों को आजमा सकती हैं। इससे भी स्किन टैनिंग की समस्या दूर हो जाएगी।

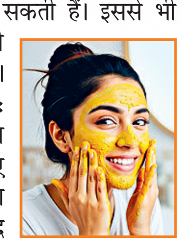

दही-बेसन का पैक: दही और बेसन का मिश्रण, त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड, टैनिंग को हल्का करने में मदद करता है, जबकि बेसन स्किन को क्लीन और एक्सफोलिएट करता है। इस पैक को हफ्ते में 2-3 बार लगाने से त्वचा में निखार आता है।

नीबू-शहद का पैक: नीबू में ब्लीचिंग प्रॉपर्टीज होती हैं, जो टैनिंग को हल्का करने में सहायक होती हैं। शहद, त्वचा को मॉयश्चराइज करता है। इन दोनों को मिलाकर लगाने से स्किन क्लीन और ग्लोइंग बनती है। लेकिन ध्यान रखें कि इसे स्किन पर लगाने के बाद धूप में जाने से बचना चाहिए।

एलोवेरा से मिले स्किन को ठंडक: एलोवेरा, गर्मियों में न सिर्फ स्किन को ठंडक देता है, बल्कि टैनिंग को कम करने में भी मदद करता है। ताजे एलोवेरा जैल को चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट बाद साफ पानी से धोने से स्किन फ्रेश हो जाती है।

खीरा-गुलाब जल का टोनर: खीरा त्वचा को ठंडक देने के साथ-साथ टैनिंग को भी कम करता है। यही गुण गुलाब जल में होता है। खीरे के रस में गुलाब जल को अच्छी तरह मिलाकर चेहरे पर लगाने से स्किन को ताजगी मिलती है।

ठंडे दूध से मसाज: कच्चा, ठंडा दूध स्किन को क्लीन करने का बेहतरीन तरीका है। इसमें मौजूद पोषक तत्व त्वचा को मुलायम बनाते हैं और टैनिंग को धीरे-धीरे कम करते हैं।

अच्छा क्लींजर है नारियल पानी: नारियल पानी स्किन को अंदर से साफ करने में मदद करता है। इसे चेहरे पर लगाने से टैनिंग धीरे-धीरे कम होने लगती है।

टमाटर का रस है इफेक्टिव: टमाटर में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो टैनिंग को कम करने में मदद करते हैं। आप चाहें तो टमाटर के रस को सीधे स्किन पर लगा सकती हैं। इसका रेग्युलर इस्तेमाल करने से स्किन ब्राइट होती है और सन रेज से होने वाला स्किन डैमेज कम होता है।

(स्किन केयर एक्सपर्ट निर्मल चावला से बातचीत पर आधारित)

अगर आप बेबी प्लान कर रही हैं तो आपको अपनी और आने वाले बच्चे की हेल्थ से जुड़ी कुछ तैयारियां कर लेनी चाहिए। कौन सी हैं वो तैयारियां, जानिए।

बेबी प्लानिंग से पहले कई लेवल पर करें तैयारी

प्रिकॉशन

चेतना झा

घर के आंगन में किलकारी गूंजे, यह ख्वाहिश हर शादी-शुदा जोड़े की होती है। आप भी इस मोड़ पर पहुंची हैं, जहां बाहों में नन्हे-मुन्ने को समेटने को मन मचल रहा है तो कुछ तैयारियां करने का समय आ गया है। ये तैयारियां कई स्तर की हैं। कुछ शरीर के स्तर पर तो कुछ मन के स्तर पर। कुछ करियर के मसले हैं तो कुछ पारिवारिक। इन सभी के बारे में यहां आपको बता रहे हैं।

तनाव की छुट्टी: अब जब आपने मां बनने का निर्णय लिया है तो सबसे पहले तनाव को गुड बाय कहिए। तनाव दरअसल, बर्थ कंट्रोल की गोलियों की तरह ही काम करता है। जाहिर है, मां बनना चाहती हैं, तो इसे छोड़ना होगा। इससे बचने के लिए पहचानिए क्या हैं आपके तनाव के खास कारण। यदि पैसों के मामले में जीवनसाथी से झगड़े होते हैं तो बेहतर है कि पहले काउंसलर या फाइनेंशियल प्लानर से बात कर समस्या को जड़ से दूर करें। कोलाहल भरे रास्ते से आना-जाना मजबूरी हो तो क्यों ना कोई ऐसा वैकल्पिक रास्ता ढूंढें जो भले थोड़ी अधिक दूरी का हो, पर सुकून भरा हो।

दवाओं पर दें ध्यान: बेबी प्लानिंग के साथ आप जब डॉक्टर से मिलेंगी तो वे आपको कुछ खास दवाएं लेने को कह सकती हैं। आपकी खुराक में पर्याप्त फोलिक एसिड, आयरन, कैल्शियम और विटामिंस होने चाहिए। फोलिक एसिड बच्चे को जन्मजात विकृतियों से बचाने में मददगार होता है। वहीं कैल्शियम सप्लीमेंट्स, आपकी हड्डियों और आपके दांतों की मजबूती के लिए जरूरी हैं।

न्यूट्रिशस डाइट: खाने में दूध और दूध से बने पदार्थ जैसे खोया, पनीर, छेना आदि शामिल करना चाहिए। मौसमी सब्जियां और फल जैसे गाजर, टमाटर, सेब, केला, नारंगी आपको अपनी डेली डाइट में शामिल करना जरूरी है। ये फल आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन-ए, विटामिन-सी आदि के अच्छे स्रोत होते हैं। नॉनवेज खाती हैं तो हफ्ते में एक बार मछली, चिकन आदि खा सकती हैं। अंकुरित चना, मूंग में विटामिन-ई प्रचुर मात्रा में होता है। जिन्हें मां बनने में दिक्कत आ रही है, वे महिलाएं इसका सेवन जरूर करें। थोड़ी मात्रा में सूखे मेवे भी नियमित खाएं।

रेग्युलर चेकअप: बेबी प्लानिंग से पहले और शुरुआती महीनों में आरएच टाइपिंग, ब्लड ग्रुपिंग, वीडीआरएल, एचआईवी, आस्ट्रेलियन एंटीजेन, ब्लड शुगर, टीसी, डीसी, ईएसआर, हीमोग्लोबिन, थायरॉइड हार्मोंस जैसे- टी थ्री, टी फोर और टीएसएच, सीरम एफएसएच, एलएच, प्रोलेक्टिन, यूरिन कल्चर टेस्ट आदि जरूरत के मुताबिक डॉक्टर कराते हैं। प्रेग्नेंसी प्लान से पहले पति के स्पर्म की भी जांच कराते हैं। डॉक्टर पहले ही आश्वस्त हो जाते हैं कि संभावित गर्भ में थैलिसिमिया जैसी जेनेटिक बीमारियां नहीं हो। डॉक्टर की राय के अनुसार ये टेस्ट कराने में लापवाही न बरतें। ऐसा करना आपकी और होने वाले बच्चे की हेल्थ के लिए बहुत जरूरी है।

(स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. रजनी लाल से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

राजकीय महिला कॉलेज में लगा रक्तदान शिविर

सिरसा। राजकीय महिला महाविद्यालय सिरसा में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं यूथ रेडक्रॉस के तत्वावधान में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शत्रुजीत सिंह मुख्य रूप से शामिल हुए। शिविर में छात्राओं, स्टाफ सदस्यों एवं समाजसेवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान प्राचार्य डॉ. शत्रुजीत सिंह ने कहा कि रक्तदान एक महान एवं पुण्य कार्य है, जिससे जरूरतमंद लोगों का जीवन बचाया जा सकता है।

हेरोइन बरामदगी का आरोपी सप्लायर काबू

सिरसा। पुलिस ने हेरोइन बरामदगी मामले में सप्लायर आरोपी को कंगनपुर रोड क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। शहर थाना प्रभारी ने बताया कि एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा की एक पुलिस एक टीम मेला ग्राउंड की तरफ जा रही थी। इस दौरान पुलिस पार्टी जब मेला ग्राउंड के नजदीक पंहुची तो सामने से स्कूटी सवार युवक आता दिखाई दिया। उक्त स्कूटी सवार युवक ने सामने पुलिस की गाड़ी को देखकर भागने का प्रयास किया। शक के आधार आरोपी युवक की तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से 13 ग्राम 45 मिलीग्राम हैरोइन बरामद हुई।

नप में अनियमितताओं की कराई जाए जांचः शर्मा

सिरसा। सिरसा नगरपरिषद में अनियमितताओं को लेकर प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि राजकुमार शर्मा ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है। सोमवार को जारी बयान में उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति अब पूरी तरह खोखली साबित हो चुकी है। यह नीति केवल कागजों और भाषणों तक सीमित रह गई है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि यह स्थिति आमजन के लिए बेहद अपमानजनक और कष्टदायक है। राजकुमार शर्मा ने सरकार से मांग की कि नगर परिषद में हो रही अनियमितताओं की जांच कराई जाए तथा दोषी अधिकारियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

युवाओं को सिख सिद्धांतों से जोड़ने की पहल

सिरसा। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के सदस्य कुलदीप सिंह फग्गू की अध्यक्षता में गुरुद्वारा श्री हजूर साहिब में बैठक हुई, जिसमें सिख समुदाय और समाज के मौजूदा हालात पर चर्चा की गई। कुलदीप सिंह फग्गू ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि इस फेडरेशन का मुख्य उदेश्य युवा पीढ़ी को सिख सिद्धांतों से अवगत करवाना, उन्हें उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करना, स्कूलों और कॉलेजों में कैंप लगाना, पंजाबी भाषा को बढ़ावा देने के लिए सेमिनार लगाना और ड्रग्स के खिलाफ अभियान चलाना है।,

कृष्ण कुमार बने पुलिस निरीक्षक

फतेहाबाद। हरियाणा पुलिस में बेहतर सेवा और कर्तव्यनिष्ठा का सम्मान करते हुए उपनिरीक्षक कृष्ण कुमार को पदोन्नत कर निरीक्षक बनाया गया है। इस अवसर पर फतेहाबाद की पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने उन्हें स्टार लगाकर बधाई दी। पदोन्नति समारोह के दौरान एसपी निकिता खट्टर ने कहा कि विभाग को कृष्ण कुमार जैसे समर्पित अधिकारियों पर गर्व है। उन्होंने उम्मीद जताई कि वे अपनी नई और बड़ी जिम्मेदारी को भी पूरी ईमानदारी और तत्परता के साथ निभाएंगे।

राष्ट्रीय लोक अदालत 9 मई को

सिरसा। न्यायालय परिसर सिरसा, उपमंडल न्यायालय परिसर डबवाली व ऐलनाबाद में 9 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से केसों के निपटारे के लिए आवेदन किया जा सकता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवेश सिंगला ने बताया कि हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के निर्देश पर समय-समय पर लोक अदालतों का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया कि लोक अदालत की प्रक्रिया बिल्कुल संक्षिप्त व साधारण है।

विभिन्न स्कूलों में बैसाखी की धूम, विद्यार्थियों ने प्रस्तुतियों से बांधा समां

बच्चों ने आकर्षक पारंपरिक वेशभूषा में बैसाखी का सांस्कृतिक महत्व किया प्रस्तुत

पायनियर कॉन्वेंट स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पायनियर कॉन्वेंट स्कूल में आज बैसाखी का पर्व बड़े ही उत्साह, उमंग एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को रंग-बिरंगी सजावट से सुसज्जित किया गया, जिससे पूरा वातावरण उत्सवमय हो गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने पारंपरिक पंजाबी लोक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। बच्चों ने आकर्षक पारंपरिक वेशभूषा में बैसाखी के सांस्कृतिक महत्व को अत्यंत सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या गीतिका मेहता ने बैसाखी के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को अपनी समृद्ध परंपराओं से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया। उप-प्रधानाचार्या मैत्री निर्मोही तथा तनु भाटिया ने भी विद्यार्थियों के उत्साह एवं प्रतिभा की सराहना की। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियाँ जैसे गीत, नृत्य एवं नाटक का आयोजन किया गया, जिनमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यालय का वातावरण उल्लास, ऊर्जा एवं आनंद से भरपूर रहा।

फतेहाबाद। पॉयनियर स्कूल में बैसाखी उत्सव में प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

नाटक प्रस्तुत कर सभी को किया प्रेरित

भूना। शांति निकेतन स्कूल में सोमवार को बैसाखी पर्व एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की रंगारंग प्रस्तुतियों से माहौल को उत्सवमय बना दिया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना व दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने बैसाखी पर्व की खुशियां पंजाबी लोकनृत्य, गिद्दा और भांगड़ा के माध्यम से व्यक्त कीं, जिससे दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। वहीं अंबेडकर जयंती के अवसर पर विद्यार्थियों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन, संघर्ष और संविधान निर्माण में उनके योगदान पर भाषण, कविताएं व नाटक प्रस्तुत कर सभी को प्रेरित किया।

आदर्श स्कूल दरियापुर में बैसाखी एवं डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती मनाई

फतेहाबाद। आदर्श स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेती छात्राएं।

फतेहाबाद। आदर्श स्कूल, दरियापुर में बैसाखी एवं भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम की शुरुआत गुरबाणी शब्द से हुई, जिसके पश्चात विद्यार्थियों ने बैसाखी के महत्व पर कार्यक्रम प्रस्तुत किए। साथ ही, डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के जीवन, उनके संघर्ष एवं भारतीय संविधान निर्माण में उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला गया।

क्रेसण्ट स्कूल में धूमधाम से मनाया गया

फतेहाबाद। क्रेसण्ट स्कूल में 'नई शुरुआत, आभार और सांस्कृतिक समृद्धि' थीम के साथ बैसाखी के पावन पर्व को धूमधाम से मनाया गया। इस पर्व ने पूरे विद्यालय परिसर में उत्साह, उल्लास एवं नई ऊर्जा का संचार कर दिया। छात्रा पीहू के आत्मविश्वास एवं मंच संचालन में चिरायु, सारिका एवं रूहान्श ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए बैसाखी पर्व के महत्व एवं उससे जुड़ी खुशियों को सभी के साथ सांझा किया। कार्तिक व गुरुवीर ने मधुर स्वर में कविता 'देखो आया बैसाखी का त्योहार, चारों तरफ छाई फसलों की बहार, बल्ले-बल्ले आया बैसाखी का त्योहार' का सुंदर पाठ करते हुए उपस्थित सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का हृदय जीत कर वातावरण को उत्सवमय बना दिया।

पाक कला प्रतियोगिता में रजनी ने मारी बाजी

सिरसा। नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन महाविद्यालय में जलियांवाला बाग हत्याकांड की स्मृति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ. पूनम मिगलानी ने बताया कि इस हत्याकांड ने भारतीयों में स्वतंत्रता की भावना को और मजबूत किया तथा अंग्रेजी शासन के खिलाफ एकजुट होने की प्रेरणा दी। विद्यार्थियों ने कहा कि हमें अपने इतिहास को कभी नहीं भूलना चाहिए और शहीदों के बलिदान से प्रेरणा लेकर देश की एकता व अंखडता को बनाए रखना चाहिए। बैसाखी के पावन अवसर पर कल्चरल कमेटी की ओर से पाक कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्धेश्य विद्यार्थियों में पाक-कला, रचनात्मकता एवं सांस्कृतिक मूल्यों को प्रोत्साहित करना रहा।

सीडीएलयू में बैसाखी पर्व पर कार्यक्रम

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय में बैसाखी के अवसर पर पंजाबी विभाग द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत दस्तार (पगड़ी) बांधने और दमाला पहनने के मुकाबले आयोजित किए गए। दमाला पहनने के मुकाबले में लड़कियों सरबजीत कौर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि हुसनप्रीत कौर दूसरे स्थान पर रहीं। लडकों के वर्ग में जसनूर सिंह ने पहला स्थान हासिल किया और हरजिंदर सिंह दूसरे स्थान पर रहे तथा खुशप्रीत व अंकुश तृतीय स्थान पर रहे। वहीं मनदीप सिंह, हरशवीर सिंह, गुरजीत सिंह व सतनाम सिंह को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। इस मौके पर प्रोफेसर सेवा सिंह बाजवा ने कहा कि सिखों को वर्तमान आजादी की मान्यता के लिए महाराजा रणजीत सिंह का अमूल्य योगदान है।

करियर काउंसलिंग सेमिनार 19 को

सिरसा। अखिल भारतीय अरोड़ा एकता परिवार द्वारा आगामी 19 अप्रेल को कैरियर काउंसलिंग सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। कार्यकारी प्रधान सतबीर सिंह धमीजा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुभाष मोंगा, महासचिव नरेश बजाज, उपाध्यक्ष हरीश सचदेवा, रोजगार प्रकोष्ठ के प्रधान डीपी मलिक, कैरियर काउंसलिंग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमित तनेजा, उपाध्यक्ष सुरेश सेठी ने संयुक्त रूप से बताया कि यह कैरियर काउंसलिंग सेमिनार पंजाब नेशनल बैक, बरनाला रोड के सामने प्लेनेट वी इमिग्रेशन कार्यालय में आयोजित किया जाएगा। इस सेमिनार में युवाओं व उनके अभिभावकों को बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए सही केरियर चुनने की जानकारी विशेषज्ञों द्वारा दी जाएगी।

गेहूं के उठान में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं होनी चाहिएः डीसी

- डीसी ने मंडियों में गेहूं उठान तेज करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिले में रबी फसल खरीद व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। डीसी डा. विवेक भारती ने स्पष्ट किया है कि मंडियों में गेहूं के उठान में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं होनी चाहिए और पूरी प्रक्रिया तेज गति से संचालित की जाए। सोमवार को लघु सचिवालय में खरीद एजेंसियों के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान डीसी ने व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि मंडियों में अनाज का अनावश्यक जमाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उठान कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए, ताकि मंडियों में जाम जैसी स्थिति उत्पन्न न हो। बैठक के बाद डीसी ने अधिकारियों के साथ मंडियों का दौरा भी किया और मौके पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने खरीद प्रक्रिया, उठान व्यवस्था और किसानों को मिल रही सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

फतेहाबाद। व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए डीसी डॉ. विवेक भारती।

नशा तस्कर गिरफ्तार 11 ग्राम हेरोइन बरामद

फतेहाबाद। सीआईए रतिया पुलिस ने घेराबंदी कर एक युवक को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से 11 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है। सीआईए रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम सिरसा बाईपास पुल के पास गश्त पर थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि रतिया निवासी अजय, जो हेरोइन बेचने का काम करता है, पुल के नीचे किसी का इंतजार कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर दबिश दी। पुलिस को देखते ही एक युवक ने भागने का प्रयास किया, लेकिन मुस्तैद टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान अजय उर्फ काणा (निवासी वार्ड नंबर 12, रतिया) के रूप में हुई है।

खबर संक्षेप

एमएम शिक्षण महाविद्यालय और माता हरकी देवी महिला शिक्षा महाविद्यालय ओढ़ा के बीच एमओयू

फतेहाबाद। शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से मनोहर मैमोरियल शिक्षण महाविद्यालय, फतेहाबाद और माता हरकी देवी महिला शिक्षा महाविद्यालय, ओढ़ां के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर मनोहर मैमोरियल शिक्षण महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. जनक रानी, उप-प्राचार्या व गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ. गुंजन बजाज ने बताया कि इस समझौते का मुख्य उद्देश्य दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि साझा प्रयासों से न केवल शिक्षकों को नई तकनीकों को समझने का मौका मिलेगा, बल्कि विद्यार्थियों के लिए भी अध्ययन-अध्यापन के नए मार्ग प्रशस्त होंगे।

कुम्हार धर्मशाला के अलॉटमेंट को लेकर कैबिनेट मंत्री से मिला प्रतिनिधिमंडल

फतेहाबाद। मुख्यमंत्री द्वारा फतेहाबाद में कुम्हार धर्मशाला के लिए की गई घोषणा को धरातल पर उतारने और अलॉटमेंट लेटर जारी करवाने की मांग को लेकर कुम्हार समाज ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। इसी कड़ी में कुम्हार सभा फतेहाबाद की बैठक हिसार रोड स्थित कमल कीकू होटल पर संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता युवा प्रधान मुकेश प्रजापति ने की। बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने इस बात पर गहरा रोष और चिंता व्यक्त की कि फतेहाबाद में कुम्हार धर्मशाला के लिए माननीय मुख्यमंत्री द्वारा दो बार घोषणा की जा चुकी है, लेकिन अभी तक इसका विधिवत अलॉटमेंट लेटर जारी नहीं किया गया है। मुकेश प्रजापति ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि पूरा हरियाणा कुम्हार समाज इस मांग को लेकर एकजुट है। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2024 में हिसार में आयोजित गुरु दक्ष प्रजापति जयंती के अवसर पर पहली घोषणा हुई थी, जो अधूरी रही। इसके बाद 2025 में भिवानी में आयोजित जयंती समारोह में पुनः मुख्यमंत्री द्वारा घोषणा की गई, जिसका पत्र अब तक लंबित है। बैठक के पश्चात कुम्हार समाज का एक शिष्टमंडल भाजपा जिला प्रभारी सुरेन्द्र आर्य के नेतृत्व में कैबिनेट मंत्री रणवीर गंगवा से मिला।

अरूट जी महाराज की जयंती को राज्य स्तरीय समारोह बनाने की उठी मांग

फतेहाबाद। श्री अरोड़वंश महासभा फतेहाबाद ने हरियाणा सरकार से मांग की है कि इस वर्ष 30 मई को मनाई जाने वाली अरूट जी महाराज की जयंती को राज्य स्तरीय समारोह के रूप में मनाया जाए। महासभा के प्रधान आजाद सचदेवा का कहना है कि जिस प्रकार प्रदेश सरकार विभिन्न महापुरुषों की जयंती को सरकारी स्तर पर मनाकर समाज में उनके आदर्शों का प्रसार कर रही है, उसी तरह अरूट जी महाराज की जयंती को भी भव्य रूप से मनाया जाना चाहिए। आजाद सचदेवा ने कहा कि अरूट जी महाराज केवल एक धार्मिक संत ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, भाईचारे और मानवता के प्रतीक थे। उन्होंने अपने जीवन में सत्य, सेवा, समानता और परोपकार का संदेश दिया, जो आज के समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। उनके उपदेशों में सभी वर्गों और समुदायों को जोडने की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

दान किया गया रक्त किसी जरूरतमंद को दे सकता है नया जीवन : गोदारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

सम्पर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा और समर्पण के मूल मंत्र को चरितार्थ करते हुए भारत विकास परिषद, शाखा फतेहाबाद द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर माजरा रोड स्थित बागवां में आयोजित किया गया, जिसमें परिषद के सदस्यों सहित शहर के गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस मानवीय कार्य में जिला रेडक्रॉस सोसायटी का विशेष सहयोग रहा। रेडक्रॉस की ओर से सुनील भाटिया के नेतृत्व में आई मेडिकल टीम ने रक्त संग्रहण की सेवाओं का कुशलतापूर्वक संचालन किया। कार्यक्रम की शुरुआत में भारत विकास परिषद, शाखा फतेहाबाद के अध्यक्ष कृष्ण बलदेव गोदारा ने शिविर में पहुंचे मुख्य अतिथियों, रक्तदाताओं और मेडिकल टीम का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है, क्योंकि आपका दिया हुआ रक्त किसी जरूरतमंद को नया जीवन प्रदान कर सकता है।

फतेहाबाद। रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करते भारत विकास परिषद के सदस्य।

चारधाम यात्रा की बुकिंग में ठगी से रहें सतर्क : एसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

चारधाम यात्रा 2026 के मद्देनजर फतेहाबाद पुलिस ने श्रद्धालुओं के लिए एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने जिला वासियों को ऑनलाइन बुकिंग के नाम पर होने वाली साइबर ठगी से बचने के लिए विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने श्रद्धालुओं को फर्जी होटल, हेलीकॉप्टर और टूर बुकिंग वेबसाइटों से सावधान रहने की हिदायत दी है। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने बताया कि यात्रा के सीजन में साइबर ठग सक्रिय हो जाते हैं। ये अपराधी अक्सर आकर्षक ऑफर और सस्ती दरों का लालच देकर फर्जी वेबसाइटों, सोशल मीडिया पेजों और व्हाट्सऐप नंबरों के माध्यम से लोगों को अपने जाल में फंसाते हैं। ठगों द्वारा बनाई गई ये नकली वेबसाइटें दिखने में बिल्कुल सरकारी या प्रतिष्ठित कंपनियों जैसी लगती हैं। श्रद्धालु इनके झांसे में आकर एडवांस भुगतान कर देते हैं, लेकिन बाद में न तो बुकिंग मिलती है और न ही पैसा वापस आता है। कई मामलों में फर्जी लिंक से गोपनीय जानकारी और निजी डेटा चुरा लिया जाता है।

पुलिस ने गुम हुए 10 मोबाइल बरामद कर मालिकों को सौंपे

फतेहाबाद। साइबर थाना फतेहाबाद ने तकनीकी दक्षता का परिचय देते हुए विभिन्न शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए गुम हुए 10 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को लौटा दिए हैं। इन बरामद किए गए मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत लाखों रुपये आंकी गई है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान एसपी निकिता खट्टर ने स्वयं मोबाइल मालिकों को उनके फोन सौंपे। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान करना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से ऐसे मामलों में अब बेहतर और सटीक परिणाम प्राप्त किए जा रहे हैं। साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक राहुल कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने आईएमईआई ट्रैकिंग, लोकेशन विश्लेषण और डिजिटल सर्विलांस का प्रभावी उपयोग कर इन मोबाइलों को ट्रेस किया।

गांव दौलतपुर के राजकीय उच्च विद्यालय में किया शिक्षा प्रगति हवन

सरकारी स्कूलों की दशा सुधारने के लिए ग्रामीण एकजुट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

गांव दौलतपुर के राजकीय उच्च विद्यालय में शिक्षा के स्तर को सुधारने और स्कूलों के विकास के लिए शिक्षा प्रगति हवन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पूरे गांव ने एकजुट होकर सरकारी स्कूलों को संवारने और बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देने की शपथ ली। इस अवसर पर क्षेत्र के विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। विधायक दौलतपुरिया ने ग्रामीणों की इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज की प्रगति के लिए शिक्षा ही सबसे सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम में सरपंच संजय वर्मा और पूर्व सरपंच भारत ढाका ने भी शिरकत की और इस अभियान में हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। बुलंद उड़ान संस्था की संस्थापिका अंजू वर्मा ने बताया कि स्कूलों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए एक विशेष शिक्षा प्रगति समिति बनाई गई है। यह समिति गांव के तीनों स्कूलों के विकास कार्यों की निगरानी और सहयोग करेगी।

फतेहाबाद। गांव दौलतपुर में आयोजित हवन में भाग लेते विधायक बलवान सिंह।

तन,मन और धन से करेंगे सहयोग

समिति में महेंद्र सिगड़, सतीश गढ़वाल, सुरेश महरिया, सीताराम निरानिया, सुरताराम नुनिया, कृष्ण नुनिया, बबिता शर्मा, अंगूरी वर्मा, पूनम और अंजू वर्मा को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। प्रिंसिपल अनिल मेहता की उपस्थिति में हवन संपन्न हुआ, जिसमें शास्त्री वेद प्रकाश शर्मा और सुनील शर्मा ने अपनी दक्षिणा स्कूल के विकास के लिए दान कर दी। इस अवसर पर गांव की ओर से सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि ग्रामीण तन, मन और धन से सरकारी स्कूलों के विकास में सहयोग करेंगे। अधिक से अधिक बच्चों का दाखिला सरकारी स्कूल में करवाया जाएगा।

खबर संक्षेप

निजी स्कूलों को दस्तावेज पूरा करना जरूरीः एसपी

सिरसा। जिला पुलिस प्रशासन ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निजी स्कूल संचालकों के लिए विशेष एडवाजरी जारी की है। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने यातायात थाना प्रभारी सहित जिला के सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने थानाधिकार क्षेत्रों में स्कूली बसों में फस्ट एड बॉक्स, सीसीटीवी कैमरे तथा अग्निशामक यंत्रों की बारीकी से जांच करें।

छाबड़ा बने सीनियर सिटीजन संस्था के जिलाध्यक्ष

सिरसा। सीनियर सिटीजंस वेलफेयर आर्गेनाइजेशन के चुनाव सर्वसम्मति से चुनाव अधिकारी तिजेंद्र लोहिया की देखरेख में संपन्न हुए, जिसमें कस्तूरी छाबड़ा को जिलाध्यक्ष, हरबंस नांरग को महासचिव तथा देवेंद्र पाहूजा को कोषाध्यक्ष चुन लिया गया। संस्था द्वारा प्रकाशित स्मारिका स्मृति संग्रह के प्रकाशन में आर्थिक सहयोग प्रदान करने वाले सदस्यों को उपहार दिए व कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले सदस्यों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

शिविर में 350 नेत्र रोगियों की हुई जांच

सिरसा। श्री हनुमंत चैरिटेबल अस्पताल में आंखों की जांच व आप्रेशन का 280वां निःशुल्क शिविर लगाया गया। मुख्य परियोजना संयोजक सुमन मित्तल ने बताया कि नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण अरोड़ा व डॉ. महिप बंसल व टीम ने 350 नेत्र रोगियों की जांच की। शिविर में मोतियाबिंद से पीड़ित 58 जरूरतमंद मरीजों का निःशुल्क ऑप्रेशन के लिए चयन किया गया। इसके अलावा 95 मरीजों की मधुमेह जांच के साथ नेत्र रोगियों को दवाईयां दी गई।

बैसाखी पर सुंदर दस्तार सजाओ प्रतियोगिता आज

रतिया। सिख सेवा सोसाइटी रतिया द्वारा वैसाखी पर 14 अप्रैल को सुंदर दस्तार सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर सिख सेवा सोसाइटी की बैठक आयोजित की गई जिसमें सोसायटी के सदस्यगण रणजीत सिंह बिट्टू, हरनेक सिंह संधू, अजैब सिंह मंडेर, हैप्पी सिंह सेठी, हरजीवन सिंह सहित शामिल हुए। इस प्रतियोगिता में रतिया क्षेत्र के स्कूल के बच्चे शामिल होंगे।

भूना में कचरा प्लांट का विरोध तेज, हाउस प्रस्ताव के बावजूद फिर उठी सुगबुगाहट

आसान नहीं कचरा प्रबंधन प्लांट की राहः 2014 में हुई थी घोषणा, 12 साल बाद भी अधर में लटका महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट

दलबीर सिंह ▸▸ भूना

जिले के पांच शहरों का कचरा भूना में लाकर कचरा प्रबंधन प्लांट लगाने की प्रस्तावित योजना एक बार फिर विवादों में घिर गई है। कागजों में चल रही इस योजना का धरातल पर खुलकर विरोध हो रहा है। खास बात यह है कि नगर पालिका हाउस की बैठकों में पहले ही इस प्रोजेक्ट को सर्वसम्मति से खारिज किया जा चुका है, इसके बावजूद दोबारा इसकी चर्चा ने शहर में हलचल मचा दी है। जानकारी के अनुसार, 3 अक्टूबर 2025 और 8 अप्रैल 2026 को हुई नगर पालिका हाउस की बैठकों में स्पष्ट निर्णय लिया गया था कि भूना में किसी भी सूरत में जिलेभर का कचरा प्लांट नहीं लगाया जाएगा। साथ ही नगर पालिका ने इसके लिए जमीन उपलब्ध कराने से भी साफ इनकार कर दिया था। हाउस में यह भी माना गया था कि ऐसा प्रोजेक्ट पर्यावरण के साथ-साथ शहरवासियों के स्वास्थ्य और जीवन स्तर के लिए गंभीर खतरा साबित हो सकता है।

आक्रोशः शहर को कचरे का ढेर नहीं बनने देंगे, आंदोलन की तैयारी शुरू

भूना। नगर पालिका हाउस की 8 अप्रैल को आयोजित बैठक में जिले का कचरा प्लांट प्रोजेक्ट के खिलाफ प्रस्ताव पारित करते हुए चेयरपर्सन व पार्षदगण। *फोटो : हरिभूमि*

चर्चा से बढ़ा रोष

नगर पालिका चेयरपर्सन अर्पणा पंकज पसरीजा पहले ही इस मुद्दे को लेकर शहरी निकाय मंत्री के समक्ष विरोध दर्ज करा चुकी हैं। उन्होंने ज्ञापन सौंपकर भूना में कचरा प्लांट लगाने की योजना को निरस्त करने की मांग की थी। इसके बावजूद अब फिर से इस योजना की चर्चा तेज होने से शहर के लोगों में रोष काफी तेजी से बढ़ गया है।

फैसला वापस नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि भूना पहले से ही सीमित संसाधनों और बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहा है। ऐसे में पूरे जिले का कचरा यहां लाना शहर को कचरे का अड्डा बना देगा। लोगों का साफ कहना है कि कचरा प्रबंधन के नाम पर भूना को प्रयोगशाला नहीं बनने दिया जाएगा। वहीं युवाओं के एक संगठन के आह्वान पर अब शहर में आंदोलन की रणनीति तैयार की जा रही है। सामाजिक संगठनों, व्यापार मंडलों और वार्ड स्तर पर बैठकों का दौर शुरू हो गया है। लोगों ने सरकार व जिला प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि इस फैसले को वापस नहीं लिया गया तो सड़कों पर उतरकर शांतिपूर्ण निर्णायक लेकर आंदोलन किया जाएगा।

दो बार कर चुके विरोध

नगर पालिका सचिव दीपक कुमार ने बताया कि चेयरपर्सन और पार्षद दो बार इस प्रोजेक्ट का विरोध कर चुके हैं। हाउस में प्रस्ताव पारित कर 25 एकड़ जमीन देने से भी मना कर दिया गया है और यह निर्णय संबंधित अधिकारियों को भेजा जा चुका है। उन्होंने कहा की कचरा प्लांट परियोजना से संबंधित नगर पालिका में अभी कोई भी लिखित पत्र वगैरह नहीं आया है।

10,945 हेक्टेयर फसल खराबे की शिकायत दर्ज

ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर 1580 किसानों ने किया आवेदन

पिछले दिनों जिले के 9 गांवों में हुई बरसात व ओलावृष्टि से गेहूं की फसलों को हुआ नुकसान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ फतेहाबाद

बरसात व ओलावृष्टि से बिछी फसल। (फाइल फोटो)

जिले में मार्च-अप्रैल के दौरान हुई बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की रबी फसलों पर बड़ा असर डाला है। राहत के लिए खोले गए ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर अब तक 1400 किसान आवेदन कर चुके हैं। इन किसानों ने कुल 10,945.097 हेक्टेयर भूमि पर फसल खराबे की शिकायत दर्ज करवाई है। प्रशासन ने पोर्टल 15 अप्रैल तक खुला रखा है, ताकि अधिक से अधिक प्रभावित किसान अपना पंजीकरण करवा सकें। बता दें कि पिछले दिनों जिले के 9 गांवों में हुई बरसात व ओलावृष्टि से गेहूं सहित अन्य रबी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। प्रभावित गांवों में बरसीन, भिरड़ाना, भिरड़ाना गैर मुस्तिक, विसला, दरियापुर, इलनिमा, माजरा और माजरा गैर मुस्तिक शामिल हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित भिरड़ाना और विसला गांव रहे, जहां सैकड़ों किसानों ने नुकसान दर्ज कराया है।

बरसीन, भिरड़ाना, गैर मुस्तिक, विसला, दरियापुर, इलनिमा, माजरा और माजरा गैर मुस्तिक गांवों के सैंकडों किसानों ने नुकसान दर्ज कराया।

गांव भूथनकलां के किसान सुरजीत, चांदीराम, रामनिवास और विनोद ने बताया कि ओलावृष्टि के कारण उनकी फसल की पैदावार में भारी गिरावट आई है। जहां सामान्य क्षेत्रों में गेहूं की पैदावार 24 से 26 क्विंटल प्रति एकड़ हो रही है, वहीं प्रभावित क्षेत्रों में यह घटकर केवल 7 से 8 क्विंटल प्रति एकड़ रह गई है। किसानों ने राजस्व विभाग से मांग की है कि गिरदावरी निष्पक्ष और सही तरीके से की जाए, ताकि उन्हें उचित मुआवजा मिल सके। प्रशासन के अनुसार, आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद गिरदावरी का काम शुरू किया जाएगा। इसके तहत पटवारी और संबंधित अधिकारी मौके पर जाकर फसल नुकसान का भौतिक सत्यापन करेंगे। इसके बाद नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसे राज्य सरकार को भेजा जाएगा। जिला राजस्व अधिकारी श्याम लाल ने बताया कि सरकार की ओर से तय मानकों के अनुसार मुआवजे की राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में ट्रांसफर की जाएगी। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे समय रहते पोर्टल पर आवेदन जरूर करें, ताकि उन्हें राहत मिल सके। ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को अब मुआवजे की उम्मीद है, लेकिन सबकी नजरें गिरदावरी की पारदर्शिता और प्रशासनिक प्रक्रिया पर टिकी हुई हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिला सशक्तिकरण में ऐतिहासिक पहलः सिंह

- लोस, रास व विस में सुनिश्चित होगी महिलाओं की भागीदारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सिरसा

सिरसा। भाजपा कार्यालय में प्रधानमंत्री का संबोधन सुनते कार्यकर्ता।

भाजपा के जिला अध्यक्ष एडवोकेट यतींद्र सिंह ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित नारी शक्ति वंदन अधिनियम को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी कदम बताया है। यतींद्र सिंह ने सोमवार को जारी प्रेस बयान में कहा कि यह अधिनियम देश की आधी आबादी को राजनीतिक भागीदारी में सशक्त बनाकर सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की भावना को और मजबूती प्रदान करेगा। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी देने का जो संकल्प लिया है, वह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। यह अधिनियम महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित कर देश के विकास में उनकी भूमिका को और अधिक प्रभावशाली बनाएगा।

गेहूं की फसल काटने पर विवाद, पिता ने बेटे पर दर्ज करवाई एफआईआर

फतेहाबाद। जिले के गांव फूलां में खेत में हुए विवाद में दादा-पोता से मारपीट के मामले में अब दूसरे पक्ष ने भी केस दर्ज करवाया है। गांव फूलां के धर्मपाल की शिकायत पर उसी के बेटे मौसम और चाचा मान सिंह पर सदर थाना फतेहाबाद पुलिस ने केस दर्ज किया है। धर्मपाल का भी आरोप है कि उसके चाचा और बेटे ने उससे मारपीट की है। बता दें कि, एक दिन पहले ही मान सिंह की शिकायत पर धर्मपाल और उसके बुआ के बेटे आत्मप्रकाश के खिलाफ मारपीट के आरोप में केस दर्ज किया गया था। खेत में गेहूं की फसल निकालने को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था। सदर थाना प्रभारी प्रहलाद सिंह के अनुसार, दोनों पक्षों की शिकायत पर केस दर्ज कर लिए गए हैं, आगामी जांच जारी है। पुलिस को दी शिकायत में धर्मपाल ने बताया कि 10 अप्रैल को वह अपने खेत में फसल कटाने के लिए गया हुआ था। जहां पर उसका बेटा मौसम व चाचा मान सिंह आ गए। चाचा कहने लगा कि तू अपने बेटे मौसम की फीस नहीं देता और ना ही उसे फसल का हिसाब देता है। मैंने कहा कि आढ़ती से पैसे ले रखे हैं और समय-समय पर खर्च और फीस देता हूं।

ग्रामीण- प्रत्यक्ष बाजार व अपनी मंडी लगाए, मिलेंगी 10 लाख की सहायता

सिरसा। उद्यान विभाग हरियाणा द्वारा किसानों की आय बढ़ाने और कृषि उत्पादों के बेहतर विपणन के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं के तहत आकर्षक अनुदान सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य बाजार संरचना को मजबूत करना, किसानों को सीधे बाजार से जोडऩा और कृषि उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करना है। विभाग द्वारा ग्रामीण बाजार, अपनी मंडी और प्रत्यक्ष बाजार स्थापित करने के लिए किसानों को 25 लाख रुपए की इकाई लागत पर 40 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा, जिसमें अधिकतम 10 लाख रुपए प्रति परियोजना की सहायता निर्धारित की गई है। इसी प्रकार, वातानुकूलित खुदरा बाजार/आउटलेट स्थापित करने के लिए 20 लाख रुपए प्रति यूनिट लागत पर 35 प्रतिशत अनुदान प्रदान किया जाएगा। इस योजना के तहत प्रति परियोजना 7 लाख रुपए तक की सहायता उपलब्ध होगी, जो बैंक ऋण से जुड़ी होगी। इसके अलावा, मोबाइल वेंडिंग कार्ट और प्लेटफॉर्म सहित सेटअप के लिए 30 हजार रुपए प्रति इकाई लागत पर 50 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा, जिसमें अधिकतम 15 हजार रुपए प्रति यूनिट की सहायता तय की गई है।

डीपीएस के साहिबजीत ने तीरंदाजी में जीता सिल्वर

- कहा : पूर्व सांसद को हमेश रतिया के विकास की चिंता

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सिरसा

दिल्ली पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी साहिबजीत ने आंध्र प्रदेश के गुंटूर में विगत दिनों आयोजित तीरंदाजी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। साहिबजीत ने अपनी एकाग्रता, सटीक निशानेबाजी और निरंतर अभ्यास के दम पर सभी चरणों में शानदार प्रदर्शन किया और द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक अपने नाम किया। प्राचार्या रमा दहिया ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता विद्यालय के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में खेलों को विशेष महत्व दिया जाता है, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। विद्यालय के शिक्षकों एवं कोच ने भी साहिबजीत की मेहनत, अनुशासन और लगन की सराहना करते हुए इसे अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर विद्यालय ने भी छात्र को बधाई दी।

सिरसा। कथा के दौरन कृष्ण सुदामा बनी बच्चियां। *फोटो : हरिभूमि*

सच्ची मित्रता त्याग व समर्पण की प्रतीकः कृष्णानंद

सिरसा। डेरा बाबा सरसाईनाथ मंदिर में आयोजित संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा का श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ समापन हो गया। कथा व्यास मंदिर पुजारी पंडित कृष्णानंद ने भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की अमर मित्रता का मार्मिक वर्णन करते हुए कहा कि सच्ची मित्रता निस्वार्थ प्रेम, त्याग और समर्पण की प्रतीक होती है। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने सुदामा के दीन-हीन वेश को नहीं, बल्कि उनके हृदय की सच्ची भावना को देखा और उन्हें गले लगाकर मित्रता का आदर्श प्रस्तुत किया। समापन अवसर पर कृष्ण-सुदामा की आकर्षक झांकी प्रस्तुत की गई, जिसने सभी श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। झांकी में दोनों मित्रों के मिलन का दृश्य सजीव रूप में दर्शाया गया, जिसे देख श्रद्धालु भक्ति रस में डूब गए। मंदिर परिसर में विधि-विधान से हवन यज्ञ का आयोजन किया गया।

ग्रामीण आवास योजना में 13 को मिले प्लाट

सिरसा। मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना 2.0 के तहत सिरसा के पंचायत भवन में प्लॉट आवंटन के लिए ड्रा निकाला गया। ड्रा की पूरी प्रक्रिया अतिरिक्त उपायुक्त अर्पित संगल के देखरेख में सम्पन्न हुई। एडीसी ने बताया कि योजना के तीसरे चरण के अंतर्गत पात्र परिवारों को 100-100 वर्ग गज के आवासीय प्लॉट प्रदान किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में खंड नाथूसरी चोपटा के गांव रामपुरा नवाबाबाद के कुल 13 पात्र लाभार्थियों के लिए ड्रा निकाला गया, जिसमें सभी को 100 वर्ग गज के प्लॉट आवंटित किए गए। ड्रा प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराया गया, ताकि सभी पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ समान रूप से मिल सके। अतिरिक्त उपायुक्त अर्पित संगल ने कहा कि राज्य सरकार की यह महत्वाकांक्षी योजना ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रही है। जिन परिवारों के पास अपना घर या जमीन नहीं है, उन्हें इस योजना के माध्यम से सरकार पंचायती जमीन पर आवासीय प्लॉट उपलब्ध कराए जा रहे हैं,।

सिरसा। प्लॉट आवंटन के लिए निकाले गए ड्रा प्रक्रिया में भाग लेते लाभार्थी।

नापा पर सुभाष का पलटवार, पूछा - भाजपा ने काम किए तो छोड़ी क्यों

- कहा : पूर्व सांसद को हमेश रतिया के विकास की चिंता

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रतिया

सुभाष खिलेरी।

भाजपा नेता सुभाष खिलेरी ने पूर्व विधायक लक्ष्मण नापा द्वारा पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल पर लगाए गए आरोपों पर पलटवार किया है। उन्होंने पूर्व विधायक द्वारा सोशल मीडिया पर डाली गई विकास कार्यों की सूची को उनकी राजनीतिक अवसरवादिता और दोहरे चरित्र का प्रमाण बताया है। खिलेरी ने कहा कि नापा का खुद यह स्वीकार करना कि रतिया में भाजपा सरकार ने करोड़ों के काम किए हैं, उनके भाजपा छोडऩे के फैसले पर सबसे बड़ा सवालिया निशान लगाता है। उन्होंने कहा कि यदि नापा स्वयं मान रहे हैं कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल और वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में रतिया में ऐतिहासिक विकास कार्य हुए हैं, तो फिर आपने उस पार्टी को क्यों छोड़ा। यह स्पष्ट है कि आपकी निष्ठा विकास में नहीं, बल्कि केवल अपनी कुर्सी और स्वार्थ में थी। खिलेरी ने कहा कि रतिया की जनता ने लक्ष्मण नापा को भाजपा के चुनाव चिन्ह पर चुनकर भेजा था ताकि वह सरकार के साथ मिलकर क्षेत्र का भला करें।

भाजपा कार्यकर्ता लोगों तक पहुंचाए पार्टी की नीतियाः जोड़ा

फतेहाबाद। भाजपा ओबीसी मोर्चा की बैठक मोर्चा के जिलाध्यक्ष बलदेव सैनी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में जिला प्रभारी सुरेन्द्र आर्य व ओबीसी मोर्चा जिला प्रभारी सुरेन्द्र सैनी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने पार्टी के आगामी कार्यक्रमों को लेकर कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ओबीसी मोर्चा के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता पार्टी की नीतियों एवं सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करें, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इन योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने 14 अप्रैल को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती को धूमधाम से मनाने का आह्वान किया। साथ ही गांव चलो, बस्ती चलो कार्यक्रम, स्वच्छता अभियान तथा जिला स्तर पर आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं से सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में पवन प्रजापति, सीता राम सुथार, सुरेन्द्र कम्बोज, मखन जईया, मार्किट कमेटी भट्टू चेयरमैन प्रदीप मंडन, वाईस चेयरमैन कुलबंत सैनी सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 8291554800, 7988727916

जागरूक बनें, स्वस्थ रहें-नशे को कहें ना, खेलों को कहें हां : भवानी

महाशक्ति ट्रस्ट ने युवाओं को दिलाई नशामुक्ति की शपथ

युवाओं को नशा मुक्त बनाने पर एसजीएम अकेडमी में युवाओं को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▸▸ फतेहाबाद

फतेहाबाद। विद्यार्थियों को नशे के खिलाफ जागरूक करते महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट से भवानी सिंह। *फोटो : हरिभूमि*

जिले को नशामुक्त बनाने और युवाओं को मुख्यधारा से जोडऩे के लिए महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा चलाई जा रही मुहिम के तहत स्थानीय ठाकर बस्ती स्थित एसजीएम गुरूकुल अकेडमी में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अकेडमी के विद्यार्थियों को नशे की बुराइयों से अवगत करवाते हुए सकारात्मक जीवन जीने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक और नशामुक्ति मुहिम के अगुआ भवानी सिंह ने शिरकत की। अकेडमी संचालक मुकेश कुमार ने मुख्य अतिथि का गर्मजोशी से स्वागत किया।

गांव-गांव जाकर युवाओं को कर रहे जागरूक

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए भवानी सिंह ने कहा, नशा न केवल एक व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से खोखला करता है, बल्कि पूरे परिवार और समाज को विनाश की ओर ले जाता है। हमारी ट्रस्ट की टीमें गांव-गांव जाकर युवाओं को जागरूक कर रही हैं। हमारा उद्देश्य केवल युवाओं को नशे से दूर करना ही नहीं, बल्कि उनकी ऊर्जा को सही दिशा में मोडऩे के लिए उन्हें खेलों और रचनात्मक कार्यों से जोडऩा भी है। जब युवा मैदान में पसीना बहाएगा, तो वह नशे की दलदल से स्वतः ही दूर रहेगा। भवानी सिंह ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों और युवाओं को जीवन भर नशे से दूर रहने और अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प दिलवाया। उन्होंने विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन व्यक्तित्व निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। इस उम्र में जिज्ञासा होना स्वाभाविक है, लेकिन नशे जैसी बुराई को आजमाना 'स्टाइल' नहीं, बल्कि 'विनाश' है। आप अपने स्कूल और घर के बाहर भी सजग रहें; यदि कोई आपको गलत रास्ते पर ले जाने की कोशिश करे, तो बिना डरे उसे मना करें। उन्होंने बताया कि कैसे नशा अपराध की दुनिया का पहला कदम होता है और कैसे इच्छाशक्ति के बल पर इसे हराया जा सकता है। इस अवसर पर जीके बॉय प्रदीप सर, होटल एसोसिएशन फतेहाबाद के प्रधान रणबीर सिंह भाटी, महेन्द्र सिंह, गुरदीप अयाल्की, कृष्ण पारचा, और पंकज सामा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

नेत्र जांच शिविर में जांचा 117 मरीजों का स्वास्थ्य

रतिया। भारत विकास परिषद शाखा रतिया द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर गुरु नानक आई केयर हॉस्पिटल, बुढ़लाड़ा रोड, बीडीपीओ ब्लॉक रतिया के सामने आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष राजकुमार सिंगला ने की। शिविर का शुभारंभ अग्रवाल सभा के अध्यक्ष प्रमोद बंसल, विनोद जैन, गिरधारीलाल सिंगला एवं लोकेश खुराना द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। यह शिविर भाविप के वरिष्ठ सदस्य विनोद जैन के आग्रह पर उनकी स्वर्गीय धर्मपत्नी सविता जैन की स्मृति में आयोजित किया गया। शिविर में 117 मरीजों की आंखों की जांच की गई। जांच के दौरान 56 मरीजों को ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया, जिनमें से 41 मरीजों के निःशुल्क ऑपरेशन किए गए।